University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

M.A. Political Science

Annual Scheme

M.A. (Previous) Examination 2021

M.A. (Final) Examination 2022

एम.ए. पूर्वार्द्ध राजनीति विज्ञान परीक्षा

M.A. PREVIOUS POLITICAL SCIENCE EXAMINATION

प्रश्न–पत्रों की रूपरेखा

प्रत्येक प्रश्न–पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न–पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे।

प्रत्येक प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अंको का होगा। इस खण्ड में दो अंकों के 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। जिनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर परीक्षार्थी को अधिकतम 20–25 शब्दों में अपेक्षित होगा।

द्वितीय खण्ड 20 अंकों का होगा। इस खण्ड में 05 अंकों के 04 अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक का उत्तर 150 शब्दों में अपेक्षित होगा।

तृतीय खण्ड 60 अंकों का होगा। इस खण्ड में तीन भाग होंगे। जिनमें प्रत्येक में 20 अंको के दो निबंधात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी से प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा।

General Scheme of Question Papers

Each question paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each question paper shall consist of three parts. Part I shall carry 20 marks and shall consist of 10 compulsory questions of 2 marks each to be answered in 20-25 words each.

Part II shall carry 20 marks and shall consist of 4 compulsory questions of 5 marks each to be answered in 150 words each.

Part III of the question paper shall carry 60 marks. This part shall be divided into 3 sections each comprising of 2 essay-type questions of 20 marks each. Candidates will be required to attempt one question from each section (3 questions in all, one from each section)

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

अग्रांकित चार अनिवार्य प्रश्न–पत्र होंगे

I पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन
II भारतीय राजनीतिक चिन्तन
III अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
IV लोक प्रशासन के सिद्धान्त एवं व्यवहार

There shall be following four compulsory papers:

I Western Political Thought
II Indian Political Thought
III International Politics
IV Theory and Practice of Public Administration

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम. ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा
अनिवार्य प्रश्न–पत्र

(V) आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त एवं तुलनात्मक राजनीति

(VI) भारतीय शासन और राजनीति

(VII) अनुसंधान प्रविधि

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

VIII व IX प्रश्न–पत्र हेतु अग्रांकित प्रश्न–पत्रों में से किन्हीं दो प्रश्न–पत्रों का चयन

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन
2. संविदावादी
3. उदारवादी
4. समाजवादी चिन्तन
5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन
6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
7. गाँधीय राजनीतिक चिन्तन
8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि
9. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार
10. संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, चीन एवं पाकिस्तान की विदेश नीतियाँ
11. भारत में मानवाधिकार
12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
13. दक्षिण एशिया में शासन व राजनीति
14. भारत में लोक प्रशासन
15. भारत में जिला प्रशासनः पंचायती राज के विशिष्ट संदर्भ में
16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति
17. भारत में राज्य–राजनीति
18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति
19. राजनीतिक समाजशास्त्र
20. महिला, शासन एवं राजनीति

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

M. A. Final Examination

Compulsory Papers

(V) Modern Political Theory and Comparative Politics

(VI) Indian Government Politics

(VII) Research Methodology

For Selection of VIII and IX Paper shall be selected from the following list of Papers

1. Greek Political Thought
2. Contractualists
3. Liberals
4. Socialist Thought
5. Ancient Indian Political Thought
6. Modern Indian Political Thought
7. Gandhian Political Thought
8. Public Internationl Law
9. Theory & Practice of Diplomacy
10. Foreign Policies of U.S.A., India, China and Pakistan
11. Human Rights in India
12. International Organisation
13. Government and Politics of South Asia
14. Public Administration in India
15. District Administration in India with Special Reference to Panchayati Raj
16. Comparative Government & Politics in Countries of the Third World
17. State Politics in India
18. Electoral Politics in India
19. Political Sociology
20. Women, Governance and Politics

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. पूर्वार्द्ध राजनीति विज्ञान परीक्षा

M.A. PREVIOUS POLITICAL SCIENCE EXAMINATION

प्रश्न –पत्र प्रथम – पाश्चात्य राजनीति चिन्तन

खण्ड–क

जीवन, राज्य व राजनीति के संबंध में यूनानी दृष्टिकोण, सुकरात, प्लेटो व अरस्तु, मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तनः संत अगस्टाइन, थॉमस एक्विनास,

खण्ड – ख

पुनर्जागरणः मेकियावली,, संविदावादीः हॉब्स, लॉक व रूसो, उपयोगितावादी, बेंथम व जॉन स्टुअर्ट मिलः

खण्ड –ग

प्रत्ययवादीः हीगल, ग्रीन, समाजवादीः कार्ल मार्क्स एवं लेनिन, समकालीन उदारवादीः जॉन रॉल्स, रॉबर्ट नोजिक

PAPER I - WESTERN POLITICAL THOUGHT

Section A

Greek View of Life, State and Politics, Socrates, Plato, Aristotle. Medieval Political Thought : Saint Augustine, Thomas Acquinas.

Section B

Renaissance : Machiavelli, Contractualists : Hobbes, Locke & Rousseau, Utilitarians : Bentham and J.S. Mill.

Section C

Idealists: Hegel and Green, Socialists: Karl 'Marx, Contemporary Liberals: JohnRawals, Robert Nozick.

Recommended Books :

R.N. Berki, The History of Political thought: A Short Introduction, Every Man's University Library, 1977.

J. Coleman, A History of Political Thought; From Ancient Greece to Early Christianity, Wiley, 2000. V.R Metha: Hegel and the Modem State

G.H. Sabine, A History of Political Theory, IBH, 1973.

Q. skinner, The Foundations of Modern Political Thought, Volumes 2, Cambridge University Press, reprient, 2004.

Sir. Ernest. Barker, The Political Thought of Plato and Aristotle, New York, Dover Publications, 1969

J. W. Allen, A History of Political Thought in the Sixteenth Century, Methuen: London
H. Butterfield, The Statecraft of Machiavelli, New York, Collier, 1967.

G. Catlin, A History of Political Philosophers, London, George Allen and Unwin, 1950.

R.G. Gettle, History of Political Thought, New York, Novell & Co. 1924.

S. Mukherjee & S. Ramaswamy , A History of Political Thought : Plato to Marx, New Delhi, P.H.I Learning Pvt Ltd, 2011.

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

जे.पी. सूदः पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास

नरेश दाधीचः जॉन रॉल्स के न्याय का सिद्धान्त

प्रभुदत्त शर्माः पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास

हरिदत्त वेदालंकारः पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास

माइकल बी.फोस्टरः राजनीतिक चितंन के आचार्य, हिंदी माध्यम कार्यन्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

जॉर्ज एच. सेबाइनः राजनीतिक दर्शन का इतिहास, एस.चांद पब्लिकेशन दिल्ली, 1982

प्रश्न–पत्र द्वितीय – भारतीय राजनीतिक चिन्तन

खण्ड –क

मनु, वाल्मीकि, व्यास, कौटिल्य,

खण्ड –ख

राजाराम मोहन राय, दयानन्द सरस्वती, विवेकानन्द, गोखले व तिलक

खण्ड– ग

मोहनदास कर्मचन्द गांधी, एम.एन. रॉय व जवाहरलाल नेहरू, भीमराव अम्बेडकर, जयप्रकाश नारायण एवं दीन दयाल उपाध्याय

PAPER II - INDIAN POLITICAL THOUGHT

Section A

Manu, Valmiki, Vyas, Kautilya.

Section B

Raja Ram Mohan Roy, Dayanand Saraswati, Vivekananda, Gokhale and Tilak.

Section C

M. K. Gandhi, M.N. Roy, Jawahar Lal Nehru, BR. Ambedkar, Jay Prakash Narayan & Deen Dayal Upadhyaya

Recommended Books :

D.D. Kosambi, Culture and Civilizations in Ancient India, Vikas, 1980

V.P. Verma, Studies in Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations, Delhi, Motilal Banarsidass, 1974

U.N. Ghoshal, *A History of Indian Political Ideas*, London, Oxford University Pres, 1959.

K.P. Jayaswal, *Hindu Polity*, Calcuta, Butterworth, 1924.

Jha Rakesh Kumar, Religion, Dharma, and Polity, Concept Pubication Ltd.New Delhi 2012

Arvind, Sharma, Classical Hindu Thought: An Introduction Oxford, 2000

V.P. Varma, Mordern Indian Political Thought, Laxmi Narain Agarwal, Agra

मधुकर श्याम चतुर्वेदी, प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाऊस,जयपुर

रामशरण शर्माः प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एंव संस्थाये, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, 2010

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

मंजु शर्मा, प्राचीन भारत में राजनय(एक तुलनात्मक अध्ययन) आर.बी.एस पब्लिशर्स जयपुर 2007
भारतीय राजशास्त्र प्रणेता, श्याम लाल पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी लखनऊ
प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एंव संस्थांए, परमात्माशरण, मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ

प्रश्न–पत्र तृतीय – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

खण्ड–क

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं अध्ययन के उपागमः आदर्शवादी, यथार्थवादी, व्यवस्था, निर्णय–निर्माण एवं खेल सिद्धान्त
राष्ट्रीय शक्ति के तत्व एवं उद्विकास

खण्ड –ख

राष्ट्रीय हित एवं राष्ट्रीय नीतिः राजनय, प्रचार एवं राजनैतिक युद्ध, राष्ट्रीय नीति के आर्थिक साधनः साम्राज्यवाद एवं नव–साम्राज्यवाद, युद्धः युद्धों की प्रकृति, कारण एवं प्रकार, वैश्विक आतंकवादः राष्ट्रीय शक्ति की सीमाएंः शक्ति संतुलन, सामुहिक सुरक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण निपटारा, अन्तर्राष्ट्रीय विधि, निः शस्त्रीकरणः संयुक्त राष्ट्र संघः लक्ष्य, उद्देश्य, संरचना एवं भूमिका, संरचनात्मक सुधारों का प्रश्न

खण्ड–ग

शीत युद्ध का अंत, यूरोप का पुनर्गठन, वैश्वीकरण, क्षेत्रीय संगठनः सार्क एवं आसियान, ब्रिक्स, इब्सा, अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिकाः भारत एवं उसके पड़ोसी, गुट निरपेक्षता एवं उसके बदलते प्रतिमान, समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ

PAPER III - INTERNATIONAL POLITICS

Section A

Theories and Approaches to the study of International Politics Idealist, Realist, Systems, Decision-Making, Game Theory and Feminist Perspective, Concept of National Power, Elements and Evolution of National Power.

Section B

National Interest and National Policy: Diplomacy, Propaganda and Political Warefare, Economic Instruments of National Policy, Imperialism and Neo-Imperialism. War : Nature, Causes and Types of Wars, Global Terrorism.

Limitations of National Power, Balance of Power, Collective Security, Pacific Settlements of International Disputes, International Law, Disarmament.

United Nations: Aims, Objectives, Structure and Role, Issue of Restructuring.

Section C

End of Cold War, Reorganization of Europe, Globalization. Regional Organization especially SAARC, ASEAN, BRICS, IBSA. India's Role in International Affairs, India and her Neighbours, Non-Alignment and its changing patterns. Major issues and trends in Contemporary International Politics.

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Recommended Books:

1. Waltz, Kenneth N., 'Laws and Theories', in *Theory of International Politics,* (New York: Random House, 1979).
2. Waltz, Kenneth N., Man, *the State and War: A Theoretical Analysis*, New York, Columbia University Press, 1954, pp. 1-15, 224-238.
3. Singer, David J., 'The Level-of-Analysis Problem in International Relations', *World Politics*, 14(1), 1961, pp. 77-92.
4. Wight, Martin, 'Why is there no International Theory' in James Der Derian (ed.), *International Theory: Critical Investigations*, (New York: New York University Press, 1995).
5. Kaplan, Morton A. , 'Problems of theory building and theory confirmation in International Politics', *World Politics*, 14(1), October, 1961, pp. 6-24.
6. Rosenau, James N., 'Thinking Theory Thoroughly' as reproduced in Paul R.Viotti and Mark V. Kauppi, *International Relations Theory* (Longman, 2012).
7. Hollis, Martin and Steve Smith, *Explaining and Understanding International Relations*, (New York: Oxford University Press, 1990).
8. Vincent, John R., 'The Hobbesian Tradition in Twentieth Century International Thought', *Millennium: Journal of International Studies,* 10(2), 1981, pp. 91-101.
9. Hurrell, Andrew, 'Kant and the Kantian Paradigm in International Relations', *Review of International Studies,* 16 (July 1990), pp. 183-205.
10. Waltz, Kenneth N., 'Realist Thought and Neorealist Theory', *Journal of International Affairs*, 44(1): pp. 21-37 at http://www.irchina.org/waltz/waltz1990.pdf .
11. Waltz, Kenneth N., "Political Structures", in Waltz, Kenneth N., *Theory of International Politics,* (New York: Random House, 1979).
12. Milner, Helen, 'The Assumption of Anarchy in International Relations Theory: A Critique', *Review of International Studies*, 17(1), January 1991, pp. 67-85.
13. Jean BethkeElshtain, "International Politics and Political Theory", in Booth and Smith, eds.,*International Relations Theory Today*, pp. 263-278.
14. यू.आर.घई–के.के.घई अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धांत तथा व्यवहार, न्यू पब्लिकेशन कम्पनी जालंधर
15. वी.एन.खन्ना–लिपाक्षी अरोड़ा भारत की विदेश नीति, विकाश पब्लिकेशन हाऊस नोएड़ा
16. तपन बिस्वालः अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मेक्मिलन, दिल्ली
17. पुष्पेश पंतः अंतर्राष्ट्रीय संबंध

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

प्रश्न–पत्र चतुर्थ– लोक प्रशासन के सिद्धान्त एव व्यवहार

खण्ड–क

लोक प्रशासनः अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति एवं अध्ययन की पद्धतियाँ, निजी एवं लोक प्रशासन, वेश्वीकरण का लोक प्रशासन पर प्रभाव, लोक–निजी भागीदारी

संगठन सिद्धान्त एवं उपागमः मनोवैज्ञानिक उपागम, मानवीय संबंध उपागम, प्रशासनिक नेतृत्व, निर्णय–निर्माण का विज्ञान

संगठन के सिद्धान्तः मुख्य कार्यपालिका और उसके कार्य, लाइन और स्टाफ, पदानुक्रम, नियंत्रण का क्षेत्र, प्रत्यायोजन एवं विकेन्द्रीकरण, संचार, समन्वय और पर्यवेक्षण

खण्ड–ख

लोक उद्यमों के सांगठनिक प्रारूपः विभाग, निगम एवं कम्पनी, लोक उद्यमों की समस्याएं, पी पी पी मॉडल (सार्वजनिक निजी सहभागिता)

खण्ड– ग

वित्तीय प्रशासनः बजट का निर्माण, अनुमोदन एवं क्रियान्विति, वित्त पर विधायी नियंत्रण, लोक लेखा समिति एवं प्राक्कलन समिति,

प्रशासन पर विधायी एवं न्यायिक नियंत्रण, सूचना का अधिकार, लोकपाल एवं लोकायुक्त, ई–गर्वनेन्स प्रशासनिक सुधार

PAPER-IV— THEORY AND PRACTICE OF PUBLIC ADMINISTRATION

Section A

Public Administration: Meaning, Scope, Nature and Methods of Study; Private and Public Administration; Impact of Globalization on Public Administration; Public-Private Partnership.

Theories and Approaches of Organizations: Psychological Approach, Human Relations Approach;, Administrative Leadership; Science of Decision Making.

Section B

Principles of Organizations: Chief Executive and its Functions, Line and staff, Hierarchy, Span of Control, Delegation and Decentralization, Communication, Coordination and Supervision. Organizational Patterns of Public Enterprises: Department, Corporation and Company; Problems of Public Enterprises, PPP (Public Private Partnership).

Section C

Financial Administration: Formulation, Approval and Exection of Budget, Parliamentary Control over Finance, Public Accounts Committee and Public Estimates Committee.

Legislative and Judicial Control over Administration, Right to Information, Lok Pal and Lokayukta, E- governance, Administrative Reforms.

Recommended Books :

Henry Nicholas, Public Administration and Public Affairs, Prentice Hall, New Jersey, 2005.

Osborne, David and Gaebler, Ted., Reinventing Government: How the Entrepreneurial Spirit is Transforming the Public Sector, Prentice Hall of India, New Delhi, 1992.

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Frederickson George, New Public Administration, Alabama, University of Alabama Press, 1990.

Heady Farrel, Public Administration: A Comparative Perspective, Nareel Dekker, 2002.
A. Avasthi and S.R. Maheswari, Public Administration, Agra, Lakshmi Naran Aggarwal, 1996

M. Battacharya, Public Administration: Structure, Process and Behavior, Culcutta, The World Press, 1991.

D. Waldo, Ideas and Issues in Public Administration, New York, McGraw Hill, 1953.

L.D. White, Introduction to the Study of Public Administration, New York, Macmillan, 1955.

M.P Sharma and Sadana "Theroy and Practice of Public Administration."

Guy Peters B and Pierre Jon(Eds) Handbook of Public Administration, Sage, London, 2005.

Spicer Michael W. Public Administration and the State: A Postmodern Perspective, Albama Press, Tuscaloosa, 2001.

Hyden Goran Court, Julius, Mease, Keneth, Making Sense of Governance Viva: New Delhi, 2010.

अवस्थी व अवस्थी : लोक प्रशासन के सिद्धान्त व व्यवहार

बी.एल फड़िया, लोक प्रशासनः सिद्धान्त एंव व्यवहार

पी.डी.शर्मा, हरिश चन्द्र शर्मा, लोक प्रशासन सिद्धांत व व्यवहार

एन.पी.शर्मा, बी.एल.सड़ाना, लोक प्रशासन सिद्धांत व व्यवहार

Raj Jais

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur